"महराप्रेपश में नदी चाटी परिशाजनाओं" के पर्यावरणीय N. और विस्थापन प्रभाव पर चर्चा हैरें।" अदियों की चारियों पर बड़े वह बांच बना कर केंग्री, परता बना सिंगाई, पर्यटन रवालां की खुविद्यारं प्राप्त की सर धाती हैं। इसीलिये इन्हें लहुदेशीय नदी हाती अनेक हैं। परियोजना कहते हैं। लेकिन इनके पर्यावरणीय और सामाणिक दूष्परिणाम भी अंभीर है। पर्यावरणीय प्रभाव :- बर्गी बाच परियोजना-लाग्या १२००० के टेयर मुम 1) दोत्र जलगठन :- ट्यापक जंगल और कृषि योग्म Facts भीति लेशमञ्च हासा कू नियाहान बरिह्याचे -1) जेत तितिस्मा भी अति होती है क्योंकि 2-3 कि प्रमान उदाहरण के साध उत्तर निर्मालयन वेड कोटे जाते हैं। लिएको का १) आरियाल घोर जिल्लो के आवास व आसपास प्रयास करें भी लागड़ भी जवपड़ में, तर लाभ डू.। प) भूमि- वास्मेडल इंटरेम्यन श्री प्रमासित होते हें अभवा समझी कटाव , जल जमाव , जलवायू में बद्धात । जब तवाह में क्रकावर जैसी-भागस्याम अत्यम हाती है। s) अन्यजीतनों वनजीवनों के आवाशमन पर भी व्यक्तान परिकेटर भंभीर असर पट्ता है बयोंकि इंक्सोकिंग के वृत्ता वड़ार दोगन क्षेत्र इव सकता है। 4 रवर हेर्चे यर क्षा:- वेता-नेपाता इंटर विविधिया में प्रवासाइगर कि मिल इनेगा। निर्णात का अना ।

शहरा सागर् अधिवासमा अग्राका विकार विरयापन प्रभाव :- अोगकारेश्वर् वरि अ 15900परिवार् क परियोजना के तहत प्रभावित परिवार विर्धापित किये जाते हैं। 🕟 प्रभावित लोगें में मुआवजे और लाभों के लेकर आवता इस व्यापक असंतीय और विरोध रहता है। 他切中市 परियोजनारं आर्थिक अप से अत्यवहारिक और क्यार्थ allan & पर्यावरणीय दृष्टि से स्वतरनान नेना है। कई बार परिवार, महली पक्डों का आधार भी गावही रवी देते हैं। विस्थापितीं को अन्वित पुनर्वास त पारेपरिक अधिकार रतो देने का रवतरा होता है। संक्षेप :- महस्यप्रेक्श की नदी हाती परियोजनार शार्थक विकास के अवसर प्रधान करती हैं; क्रे किन धर्यासक्लीय निक्कप अरहा जैसे वन क्षेत्र, ध्वेत वितिखता व धल प्रणामी में में प्रसाम वदलाव और ट्यापक विस्थापन । अब्दूरा पुनेवास तथा & Paints सामाणिक विसंगतियों इसम् कर रही हैं। इन परियोजनी Depost HE के समत् और न्यासंक्षत कियान्त्यम् हेतु पर्यायस्वीयः मुल्यांकन् , प्रभावित सम्दाद्यां भी आर्गामिकारी और पारिरियांक GESU. अविकारों के स्वेरकाण पर तिशेष ध्यान देना चाहिए। द्वीय एवं प्यथार्थपूर्व पुनर्वास सर्व समुचित आजीविका के साधन त्यान Positive माच स क्रिये जाने चाहिश विकारी